प्रश्न :- आदिकाल की प्रमुख काव्य रचना संदेश रासक पर एक संक्षिप्त नोट लिखें ?

उत्तर :- संदेश रासक की रचना "अब्दुर्रहमान" ने की थी जो मुल्तान के निवासी थे। इस ग्रंथ के [redacted] रचनाकाल के विषय में विवाद रहा है, मुनि जिन विजय इसे 12 वीं शती के [redacted] उत्तरार्द्ध की रचना मानते हैं तो अगरचंद नाहटा ने इसका रचनाकाल 1400 वि० माना है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने इसे 11वीं शती की रचना माना है क्योंकि हेमचन्द्र (1145-1229 वि०) ने अपनी रचना में संदेश रासक के कुछ पद्यों को उद्धृत किया है।

यह एक विरह काव्य है जो एक कल्पित लोककथा पर आधारित है। कालिदास के मेघदूत जैसा कथात्मक विरह काव्य होते हुए भी वस्तुतः यह मुक्तकों की माला है जिसमें विरह व्यथित हृदय की सूक्ष्म अनुभूतियाँ व्यक्त हुई हैं। विरहिणी के संदेश में टीस, पीड़ा, प्रेम, आत्मसमर्पण का विलक्षण समन्वय है। विरहिणी कहती है- "हे प्रिय तुम मेरे हृदय में स्थित हो और तुम्हारे रहते हुए विरह मुझे कष्ट दे रहा है। क्या आपके लिए यह लज्जास्पद नहीं ? क्या आपके पौरुष को चुनौती नहीं ?" आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार-" संदेश रासक में ऐसी करुणा है जो पाठक को बरबस आकृष्ट कर लेती है, प्रिय के नगर से आने वाले अपरिचित पथिक के प्रति नायिका के चित्र में किसी प्रकार का दुराव नहीं है, वह बड़े सहज ढंग से अपनी कहानी कह जाती है।"

विजयनगर की रहने वाली यह नायिका प्रिय वियोग में विलाप करती हुई राजमार्ग पर जाने वाले पथिक को रोकती है और जब उसे पता चलता है कि वह उसी नगर को जा रहा है जहाँ उसका प्रियतम गया है तो वह उससे अपना संदेश

ले जाने का अनुरोध करती है। अपने काव्य सौन्दर्य, ऋतु वर्णन, विरह निवेदन, सौन्दर्य चित्रण की दृष्टि से संदेश रासक का अपभ्रंश साहित्य में विशेष स्थान है। नायिका के रूप वर्णन में वासनात्मकता कहीं भी नहीं है। संदेश रासक का ऋतु वर्णन कामोद्दीपक है और वह कालिदास के ऋतु संहार की परम्परा में आता है।

संदेश रासक में 'रासक' छंद एवं 'दोहा' का सफल प्रयोग हुआ है। यह एक गेय काव्य है तथा भाषा की दृष्टि से संक्रांतिकालीन भाषा रूप को व्यक्त करता है। छंद वैविध्य एवं अलंकार सज्जा दोनों ही दृष्टियों से यह परिमार्जित रचना है।

अभ्यासार्थ प्रश्न

प्रश्न :- संदेश रासक पर एक नोट लिखें।

पता :-
डॉ० समदर्शी कुमार
विभाग- हिन्दी (S.R.A.P.C) (B.R.A.B.U.M)
मो० नं०- 7909046087
दिनांक- 07.02.2022